

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर)

करण संख्या 47/2022 दावा दुरुस्ती इन्द्राज घोषणा खातेदारी अन्तर्गत धारा 88,136

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
8/7/22	वादी की ओर से वादपत्र जरिये अभिभाषक श्री सुरेन्द्र सिंह शेखावत के द्वारा पेश किया गया। रिपोर्ट सरिस्ता ली गई। वाद पत्र दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादीगण को नोटिस जारी होकर पत्रावली दिनांक 11/8/22 को पेश हों।	
11/8/22	<p>उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) सक्षमस्थान</p> <p>वकील वकील उपस्थित / प्रतिवादीगण की सूची देकर उत्तर दी हुई जून. सूची हेतु 11/8/22 को पेश है। सरिस्ता की प्रतिलिपि सूची हेतु भी उपकरण पेश है। पत्रावली दिनांक 11/8/22 को पेश है।</p> <p>उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) सक्षमस्थान</p>	
11/8/22	<p>उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) सक्षमस्थान</p> <p>वकील वकील उपस्थित / प्रतिवादीगण व (नरसिंही) प्रतिवादीगण की सूची देकर वकील वकील (पत्रावली पेश करे) सूची भी जारी पत्रावली दिनांक 21/9/22 को पेश हों।</p> <p>उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) सक्षमस्थान</p>	
01/9/22	<p>उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) सक्षमस्थान</p> <p>वकील वकील उपस्थित / प्रतिवादीगण की सूची हेतु 11/8/22 को पेश है तथा सूची दिनांक 11/8/22 को पेश है। पत्रावली दिनांक 12/10/22 को पेश है।</p> <p>उप खण्ड अधिकारी शाहपुरा (जयपुर) सक्षमस्थान</p>	
12/10/22	<p>उपखण्ड उपस्थित / अभिभाषक सच ने व्यापिक कार्य रथगिरि रखा / P.O. साहब अन्य प्रशासनिक कार्य हैं। पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 11/8/22 को पेश हो।</p> <p>श्री 00000</p>	

21/11/22

वकील छाबी उद्विगत। वकील छाबी ने वापस आने के लिए
साईया का आग का पैसा किया। वकील छाबी ने अपनी
काम के आर्थिक सब के वरिष्ठ हस्तके को दोहराते हुए
जाहिलिना कि छाबीजब वे जिरा का गफ वाहिये के
जखिरासिंह की तथा निरागत का गफावाज कोलेह एक
कोलते गफ जगु दे जगुलकिहें कीकित पर सिवाक
जो हुकत किया जाते।

इसने पत्रवली का सम्बन्धन किया। छाबीजब
का परफात वाजस सिद्धि के निराका गफ गुगलकिहें
दरु है तथा भाव्या रजस आदि के जखिरा सिद्धि के संबंध
शाम पचास साईया ने भी अपने आग पर के जखिरा
सिद्धि व गुगलकिहें उर्फ जगु एक ही व्यक्ति के नाम
होगा बताया है। इस प्रकार पत्रवली के पैसा वापस
व वकील छाबी की बहक से स्पष्ट है कि छाबीजब ने
जिरा का नाम जखिरा सिद्धि के बजाय गुगलकिहें बहक
से कोलता नाम दर्ज पर किया गया जो उद्विगी मेकरो

कहा छाबी का आर्थिक पर न-सह्य प्यारा
126 42 नव लीला जिना जाल गाम जखिरासिंह
पश्चात एका साईयास की जगवली के 2076 से 2079
के वाता सं 30 से दर्ज नाम अर्जुनसिंह जिरासीसिं
निघपालकिहें कि गुगलकिहें व जखिरादेवी पति
गुगलकिहें के स्थान पर अर्जुनसिंह, जिरासीसिं
निघपालकिहें कि जखिरासिंहें उर्फ गुगलकिहें, जखी
देवी पति जखिरासिंहें उर्फ गुगलकिहें कोच इजाजतकार
वर्ज जिसे जामे के सहेश इसे जोते है। एहिसा
शुद्धुप के दोहरा जाते है। परबतपी के नाम गुगल
मेयल गजिहें बहक है।

राम गण्ड अधिकारी
शाहपुरा (जयपुर) सहायक